Mumbai: मुंबई में 90% नगरसेवक नागरिकों के मुद्दों को उठाने में विफल : प्रजा फाउंडेशन

वर्ष 2017-2021 के कार्य को देखते हुए 220 नगरसेवकों का अवलोकन कर दिया ग्रेड

विशाल पाण्डेय

मुंबई. मुंबई मनपा के लगभग 90% नगरसेवकों ने नागरिकों के मुद्दों को उठाने के मामले में खराब प्रदर्शन किया है (About 90% of Mumbai Municipal Corporation corporators have performed poorly in raising the issues of citizens)। इस संबंध में गैर-सरकारी संगठन (NGO) प्रजा फाउंडेशन की ओर से एक रिपोर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट में नगरसेवकों द्वारा किए गए कामों की रेटिंग दी गई है। इस रिपोर्ट कार्ड के अनुसार, समीक्षा किए गए 220 नगरसेवकों (220 corporators reviewed) में से केवल दो अपने समग्र प्रदर्शन के आधार पर 'ए' ग्रेड पाएं है।

प्रजा ने जनता की समस्याओं को मुंबई मनपा (Mumbai Municipal Corporation) में उठाने के आधार पर नगरसेवकों को ग्रेडिंग दी। रिपोर्ट के अनुसार, नगरसेवक नागरिकों के मुद्दों को उठाने की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी (primary responsibility) को पूरा करने में विफल रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आम सभा या वार्ड समितियों में नगरसेवकों द्वारा उठाए गए सवालों की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है। साथ ही, आम सभा की बैठक में नगरसेवकों की उपस्थिति 2017-18 में 82% से गिरकर 2019-20 में 74% हो गई है।

फरवरी 2022 में होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी)चुनावों से पहले, नगरसेवकों की ग्रेडिंग से नागरिकों को अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रदर्शन को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। कोरोनावायरस महामारी के कारण, जिसने बीएमसी के समग्र कामकाज को प्रभावित किया, प्रजा फाउंडेशन ने इस वर्ष एक नियमित वार्षिक रिपोर्ट कार्ड के बजाय 2017 से 2021 तक "समेकित रिपोर्ट कार्ड" प्रकाशित करने का निर्णय लिया।

रिपोर्ट के अनुसार प्रदर्शन के मामले में शीर्ष तीन नगरसेवको में से पहले नंबर पर कांग्रेस के रवि राजा (Ravi Raja) हैं, जिनके पास विपक्ष के नेता का पद भी है, शिवसेना से समाधान सरवणकर और भाजपा से हरीश छेड़ा है। रवि राजा और सरवणकर 220 में से केवल दो नगरसेवक हैं जिन्हें 'ए' ग्रेड दिया गया है। रिपोर्ट कार्ड में एआईएमआईएम से गुलनाज कुरैशी को स्थान दिया गया है।

भाजपा से सागर सिंह (Sagar Singh from BJP) और शिवसेना से परमेश्वर (Parameshwar Kadam) कदम नीचे के तीन नगरसेवक हैं। पार्टी-वार, कांग्रेस पार्षदों ने 57.21% स्कोर के साथ

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उसके बाद शिवसेना (55.88%) और समाजवादी पार्टी (सपा) (55.05%) का स्थान रहा।

समेकित आंकड़ों के आधार पर, इस रिपोर्ट कार्ड में नगरसेवकों का कुल औसत स्कोर 55.10% है जबकि पिछले कार्यकाल (अप्रैल 2012-मार्च 2016) में यह 58.92% था। अप्रैल 2017-मार्च 2021 में, 220 पार्षदों में से 59 'ई' श्रेणी में, 12 'एफ' ग्रेड में (जो कि 35% से कम का समग्र स्कोर है) और 20 'बी' ग्रेड में तैनात हैं। 127 नगरसेवकों के एक बड़े बहुमत को 'सी' और 'डी' ग्रेड मिले हैं।

प्रजा फाउंडेशन के संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी निताई मेहता ने कहा, अब जब मनपा चुनाव नजदीक हैं, हमें यह समझने की जरूरत है कि हमारे वर्तमान निर्वाचित प्रतिनिधियों ने पिछले कार्यकाल में कैसा प्रदर्शन किया है और यह प्रदर्शन पर आत्मनिरीक्षण करने के लिए एक उपयुक्त क्षण के रूप में कार्य कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है,अक्टूबर 2020 से मार्च 2021 तक, हर महीने 26 वार्ड समिति की बैठकें आयोजित की गईं, जो पिछले साल (अप्रैल 2019 – मार्च 2020) के वार्षिक औसत से अधिक है।" रिपोर्ट के अनुसार, वर्चुअल मीटिंग नागरिकों के अधिक प्रश्न उठाने में मदद कर सकती है।

प्रजा फाउंडेशन के निर्देशक मिलिंद म्हस्के (Milind Mhaske, Director, Praja Foundation) ने कहा की समितियों के कुशल संचालन के लिए और नागरिकों के मुद्दों को व्यवस्थित और कुशल तरीके से संबोधित करने में सक्षम होने के लिए, हमें ई और एफ ग्रेड के प्रदर्शन को पूरी तरह से समाप्त करते हुए ए, बी, सी और डी ग्रेड में संक्रमण के लिए और अधिक नगरसेवकों की आवश्यकता है।

Link: https://indiagroundreport.com/mumbai-90-of-corporators-in-mumbai-fail-to-raise-issues-of-citizens-praja-foundation/